INTERNATIONAL HUMAN RIGHTS & CRIME CONTROL COUNCIL, DELHI, INDIA

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण परिषद, दिल्ली, भारत

UNDER GOVT. OF INDIA TRUST REGISTRATION ACT 1882

UNDER THE GUIDELINE OF HIGH COMMISSION OF HUMAN RIGHTS, SWITZERLAND

www.ihrccc.com | info@ihrccc.com

Toll Free No. : 1800 88 94835, 1800 88 94836

Mob. : +91 9333333121, 8388888851

आप हमसे अवश्य जुड़ें – यदि

- यदि आप सामाजिक सशक्तिकरण के पक्षधर हैं।
- यदि आप समाज में समरसता चाहते हैं।
- यदि आप अपने बच्चों के भविष्य का निर्माण चाहते हैं।
- यदि आप पर्यावरण संरक्षण में विश्वास रखते हैं।
- यदि आप समाज को कुरीतियों, वाह्य आडम्बर से बचाना चाहते हैं।
- यदि आप अपने अधिकारों को जानना चाहते हैं।
- यदि आप आतंकमुक्त समाज का निर्माण चाहते हैं।
- यदि आप समाज में बौद्धिक विकास चाहते हैं।
- यदि आप समाज द्वारा ही सामाजिक समस्याओं का निवारण चाहते हैं।
- यदि आप समाज को शिक्षित देखना चाहते हैं।
- यदि आप शोषित, असहाय, गरीब व्यक्ति की सहायता करना चाहते हैं।
- यदि आप समाज में समरसता, प्रेम एवं निःस्वार्थ सहयोग की भावना में विश्वास रखते हैं।
- यदि आप नवराष्ट्र की स्थापना चाहते हैं जो कुरीति एवं आडम्बर से मुक्त हो।
- यदि आप समाज को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना चाहते हैं।
- यदि आप ईमानदार, प्रशासनिक, सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास रखते हैं।
- यदि आप शोषणमुक्त समाज की स्थापना करना चाहते हैं।
- यदि आप अपने बच्चों को स्वावलम्बी बनाना चाहते हैं।
- यदि आप समाज को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं।
- यदि आप समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना चाहते हैं।
- यदि आप चाहते हैं कि लोग कर्त्तव्यपरायण बनें।
- यदि आप मनुष्य के अन्दर मनुष्यता का बोध कराना चाहते हैं।
- यदि आप संवेदनशील समाज की स्थापना करना चाहते हैं। कि लोग एक दूसरे की संवेदना को समझें और सम्मान करें।
- यदि आप अपराधमुक्त समाज की स्थापना के लिए संकल्पित हैं।
- यदि आप आपदाग्रसित व्यक्तियों की मदद करना चाहते हैं। और आपदा प्रबंधन में विश्वास रखते हैं।
- यदि आप सरकार द्वारा जारी की गयी योजनाओं को शत–प्रतिशत लागू करवाने में सरकार की मदद करने में विश्वास रखते हैं।
- यदि आप बार्डर पर खड़े सैनिकों का हौशला बुलंद करना चाहतें हैं।
- यदि युवाओं में अच्छे गुणों का विकास करना चाहतें हैं।
- यदि आप 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सत्यमेव जयते' 'अहिंसा परमों धर्मः' में विश्वास रखते है।
- यदि आप विश्व के महापुरूषों के अच्छे विचारों द्वारा समाज के उत्साह वर्धन में विश्वास रखतें है।
- यदि आप चाहते है भूख प्यास से कोई न मरे।
- यदि आप चाहते हैं समाज से पलायन न हो।
- यदि आप चाहते हैं मानव तस्करी न हो।
- यदि आप चाहते हैं महिलाओं को समुचित अधिकार मिलें।
- यदि आप चाहतें हैं घरेलू हिंसा बंद हो।
- यदि आप चाहते हैं समाज से ऐसे तथाकथित लोगो का प्रभाव हमेशा–हमेशा के लिए समाप्त हो जाए जो गरीबों असहायों में भयव्याप्त कर उनका शोषण करते है।
- यदि आप चाहते है कि सरकार द्वारा स्थापित प्रशासनिक तंत्र अपनी वास्तविक भूमिका निभाते हुए समाज के विकास के लिए संकल्पित हो।

- यदि आप चाहते है कि प्रशासन द्वारा किसी व्यक्ति के साथ अन्याय पूर्ण रवैया न अपनाया जाए।
- यदि आप चाहते हैं कि व्यक्ति के अन्दर विकासात्मक दिनचर्या का विकास हो।
- यदि आप समाज से हीन भावनाओं को समाप्त करना चाहते है।
- यदि आप किसानों के भविष्य को सुरक्षित करना चाहते हैं और उनके आवाज को उठाना चाहते है।
- यदि आप अपने जीवन में कम से कम 1 वृक्ष को पोषित करने के लिए संकल्पित हों जिससे मानव समाज शुद्व आक्सीजन ग्रहण कर सके।
- यदि आप लोगों को नौकर की जगह बौद्विक चेतना का संवाहक बनाना चाहतें है।
- यदि आप समाज में हो रहे किसी भी अपराध को संस्थान के साथ मिलकर सार्वजनिक करना चाहते है।
- यदि आप धार्मिक उन्माद एवं अंधविश्वास के कारण समाज में बढ़ रहे शोषण को रोकना चाहते है।
- यदि आप अपनी संस्कृति सभ्यता का गौरव गान सम्पूर्ण विश्व में करना चाहते है। यदि आप बेकारी एंव बेरोजगारी को दूर करना चाहते है।
- यदि आप दूर–दराज में सुषुप्त प्रतिभा की खोज करके व्यक्ति के अंदर दबे टैलेंट को उजागर करना चाहते है।
- यदि आप गरीबों, शोषितों, पीड़ितों की आवाज बनना चाहते है।
- यदि आप सबके लिए रोटी, कपड़ा, मकान हो ऐसा भाव रखते है।
- यदि आप पड़ोसी को सहयोगी के रूप में देखना चाहते है।
- यदि आप समाज के अन्दर अच्छाई के प्रति प्रेम और बुराई के प्रति नफरत का भाव भरना चाहते हैं।
- यदि आप पापी से नहीं बल्कि पाप से घृणा करके समाज को पाप मुक्त करना चाहते है।
- यदि आप समाज में हो रहे भ्रूण हत्या को रोकना चाहते है।
- यदि आप मोबाइल कल्चर से पनप रहे अपराध को समाज से समाप्त करना चाहते है।
- यदि आप पशुओं के प्रति हिंसात्मक रवैया छोड़कर उनके पालन संवर्धन का भाव रखते हों।
- यदि आप सबके लिए जल की व्यवस्था के क्रम में पशु/पक्षियों के लिए भी जल की व्यवस्था करना चाहते है ''जल ही जीवन है''
- यदि आप समाज में व्याप्त गंदगी चाहे वह मन की हो चाहे तन की हो या पर्यावरण की हो उसे दूर करना चाहते हों।
- यदि आप बढ़ते जलवायु परिवर्तन को रोकना चाहते हैं।
- यदि आप परमार्थ, परहित में विश्वास रखते हों।
- यदि आप स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज की कल्पना करते हों और उसे स्थापित करना चाहते हों।
- यदि आप लोकहित, विश्वहित में प्रतिदिन 30 मिनट देना चाहते हों।
- यदि आप समाज को अपराध मुक्त करने के लिए समाज में नवसंचार की स्थापना चाहते हों।
- यदि आप समाज में पीड़ित शोषित व्यक्ति को न्याय दिलाना चाहते हों।
- यदि आप समाज से लूट–पाट, हिंसा, संवेदनहीनता दहेज उत्पीड़न, बलात्कार, गरीबों के शोषण से समाज को बचाना चाहते हैं।
- यदि आप समाज को नशामुक्त बनाना चाहते हैं।
- यदि आप जातिवाद, सम्प्रदायवाद के विरूद्ध अभियान छेड़ना चाहते हैं एवं मानव वाद की स्थापना चाहते हैं।
- यदि आप युवाओं के बेहतर भविष्य के पक्षधर हैं।
- यदि आप रोजगार परक शिक्षा के साथ संस्कार युक्त शिक्षा के पक्षधर हैं।
- यदि आप प्रवासी भारतीयों के मन में राष्ट्र–प्रेम भारतीय संस्कृति, संस्कार के प्रति प्रेम की स्थापना करना चाहते हैं।
- यदि आप सबके लिए उचित स्वास्थ्य की व्यवस्था चाहते हैं।
- यदि आप बालश्रम का विरोध करते हैं।
- यदि आप रिश्वतखोरी के खिलाफ हैं।
- यदि आप बाल विवाह के खिलाफ हैं।

- यदि आप पर्यावरण बचाना चाहते हैं।
- यदि आप समाज को स्वच्छता के लिए जागरूक करना चाहते हैं।
- यदि आप नशे के व्यापार के विरोधी हैं।
- यदि आप सरकारी काम–काज में पारदर्शिता चाहते हैं।
- यदि आप नकली खाद्य पदार्थ के विरोधी हैं।

यदि **हाँ** तो आइए हमारे विश्वव्यापी अभियान के साथ, हम सभी इस दुनिया में किसी विशेष कारण से हैं अपराध रोकने में हर नागरिक को भूमिका निभानी होगी, हर व्यक्ति को जीने का अधिकार है। व्यक्ति/मानव के रूप में सबको समान अधिकार है इसलिए मानव–अधिकारों का हनन नही होना चाहिए। अच्छे समाज के निर्माण में सहयोग दीजिए और जुड़ें –

''इण्टरनेशनल ह्यूमन राइट्स एण्ड क्राइम कन्ट्रोल काउन्सिल से

बनाए अपना बेहतर कल !

आप संस्थान को तत्काल सूचित करें :

- यदि समाज में किसी व्यक्ति से भेदभाव किया जा रहा है।
- यदि कोई यौन उत्पीड़न का शिकार हो।
- यदि कोई घरेलू हिंसा से पीड़ित हो।
- यदि समाज में किसी प्रकार का गैर कानूनी व्यवहार हो रहा हो।
- यदि कोई पीड़ित व्यक्ति है उसे मदद की जरूरत है, लोक सेवक / सरकारी अधिकारी / कर्मचारी उसकी शिकायत न सुन रहा हो।
- यदि किसी के साथ अन्याय हो रहा हो और उसे पलायन करने के लिए मजबूर किया जा रहा हो।
- यदि साइबर क्राइम से जुड़ी कोई समस्या हो।
- यदि किसी व्यक्ति से कोई अधिकारी/कर्मचारी रिश्वत की मांग कर रहा हो।
- यदि मानव तस्करी/पशु तस्करी या दुर्व्यापार की सूचना हो।
- यदि भिक्षावृत्ति के लिए कोई उकसा रहा हो।
- यदि किसी से दहेज की मांग/शारीरिक हिंसा/लैंगिक भेद–भाव किया जा रहा हो।
- कालेधन की सूचना हो।
- अवैध उगाही की सूचना हो।
- किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार की सूचना हो।
- पर्यावरण से जुड़ी कोई समस्या हो।

तो तत्काल हमें सूचित करें, संस्था के पदाधिकारी समुचित निदान के लिए तत्पर हैं।

धन्यवाद सहित

डॉ. वी. पी. सिंह

एवं **IHRCCC Team**